RAJYA SABHA

Monday, the 19th July, 2004/28 Asadha, 1926 (Saka)

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

National Commission for Promotion of Urdu Language

*181. SHRI SHAHID SIDDIQUI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the funds allocated to the National Commission for Promotion of Urdu Language (NCPUL) by Government;

(b) whether Government propose to increase the allocation; and

(c) the amount being spent on salaries etc. and on the development of Urdu by NCPUL?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) In 2003-04, Rs. 975 lakhs was allocated and, for the current financial year, a budget provision of Rs. 1100 lakhs has been kept for the National Council for Promotion of the Urdu Language (NCPUL).

(b) Any increase in the allocation over and above the budget provision is considered at the stage of formulation of the Revised Estimates (RE), which depends on factors like the overall ceiling of the allocation fixed by the Planning Commission at the RE stage etc.

(c) As per information received from the NCPUL during 2003-04, Rs. 122 lakhs were spent on establishment and office expenses including Rs. 57.73 lakh for salaries and Rs. 826.74 lakh for the development of Urdu. During the current financial year, NCPUL has kept a provision of Rs. 120 lakhs for establishment and office expenses including Rs. 58.00

lakhs for the salaries and Rs. 980 lakhs for the development of Urdu.

श्री शाहिद सिद्दिकी: सर, उर्दू हिंदुस्तान की छठी सबसे बडी जबान है लेकिन अफसोस की बात यह है कि पिछले पचास वर्षों में उर्दू की तरक्की के लिए, उन्नति के लिए जो काम होना चाहिए था, वह नहीं हुआ और खासतौर पर उत्तरी भारत में उर्दू तेजी से पिछडी है। 1986 तक एन.सी.पी.यू.एल. का जो बजट था, वह एक करोड़ से नीचे था- तकरीबन 86 लाख रुपए था, लेकिन 1997 में यह पौने तीन करोड़ रुपए हुआ और 1999 में, मैं जोशी जी को बधाई देना चाहूंगा कि इनके जमाने में तकरीबन 11 करोड़ रुपए का बजट हुआ। अब आपकी सरकार आई तो आपने उर्दू के तारुफ से बहुत से वादे किए है, बहुत सी बातें की हैं, इसलिए मैं यह जानना चाहूंगा कि उर्दू की डेवलपमेंट के लिए, उर्दू की ग्रोथ के लिए और एन.सी.पी.यू. एल. को आगे बढ़ाने के लिए अब आप क्या नए काम करने वाले हैं और क्या कदम उठाने वाले हैं?

شری شاہد صدیقی : سر، اردو ہندوستان کی چھٹی سب سے بڑی زبان ہے لیکن افسوس کی بات یہ ہے کہ پچھلے پچاس سالوں میں اردو کی ترقی کے لئے، انتی کے لئے جو کام ہونا چاہئے تھا، وہ نہیں ہوا اور خاص طور پر اتری بھارت میں اردو تیزی سے پچھڑی ہے- 1986 تک این سی پی یو ایل کا جو بجٹ تھا، وہ ایک کروڑ سے نیچے تھا- تقریبا 86 لاکھ روپے تھا، لیکن 1997 میں یہ پونے تین کروڑ روپے ہوا اور 1999 میں، میں جوشی جی کو بدھائی دینا چاہونگا کہ ان کے زمانے میں تقریبا 11 کروڑ روپے کا بجٹ ہوا- اب آپ کی سرکار آئی تو آپ نے اردو کے تعلق سے بہت سے وعدے کئے ہیں، بہت سی باتیں کی ہیں، اس لئے میں جاننا چاہونگا کہ اردو کی ڈیولپمنٹ کے لئے، اردو کی گروتھ کے لئے اور این سی پی یو ایل کو آگے بڑھانے کے لئے اب آپ کیا نئے کام کرنے والے ہیں اور کیا قدم اٹھانے والے ہیں؟

श्री अर्जुन सिंह: आदरणीय सभापति महोदय, स्टेटमेंट में करीब-करीब सभी चीजें दी गई हैं। जनरली मैं इतना ही कहना चाहता हूँ कि उर्दू के महत्व को देखते हुए, जितने भी महत्वपूर्ण बिंदु हैं, उन पर सक्रियता से कार्यवाही होगी और बजट जरुर है जो कुछ भी हैं, लेकिन यदि किसी जगह ऎडीशनल आवश्यकता होगी, तो उसे हम जरुर पूरा करेंगे।

श्री शाहिद सिद्दिकी:सर, एन.सी.पी.यू.एल. ने बहुत पहले ही प्लान बनाया था, चूंकि उर्दू ऑल इंडिया लैंग्वेज है, इसलिए उसके चार रीजनल सेंटर्स होने चाहिए-उसके बारे में क्या किया जा रहा है? दूसरी बात यह है कि भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने दो करोड़ उर्दू टीचर लगाने की बात कही थी। तो मैं जानना चाहूंगा कि आप बीस लाख लगाने वाले है या कितने

† Translitration in Urdu Script.

उर्दू टीचर आप लगाने वाले हैं? आपने तो एक सरकारी सा जवाब दे दिया लेकिन उर्दू के बारे में क्या होना चाहिए, उर्दू के लिए आप क्या करने वाले हैं, उसके बारे में आप कोई बात नहीं कर रहे है।

شری شاہد صدیقی : این سی پی یو ایل نے بہت پہلے ہی پلان بنایا تھا، چونکہ اردو آل انڈیا لینگویج ہے، اس لئے اس کے چار ریجنل سینٹرس ہونے چاہئیں- اس کے بارے میں کیا کیا جا رہا ہے؟ دوسری بات یہ ہے کہ سابق پردھان منتری اٹل بہاری واجپئی جی نے دو کروڑ اردو ٹیچر لگانے کی بات کہی تھی- تو میں جاننا چاہونگا کہ آپ بیس لاکھ لگانے والے ہیں یا کتنے اردو ٹیچر آپ لگانے والے ہیں؟ آپ نے تو ایک سرکاری سا جواب دے دیا لیکن اردو کے بارے میں کیا ہونا چاہئے، اردو کے لئے آپ کیا کرنے والے ہیں، اس کے بارے میں آپ کوئی بات نہیں کہہ رہے ہیں-

श्री अर्जुन सिंह: यह दो करोड़ की संख्या कहां से आई है, माननीय सभापति महोदय, मैं इसे समझने मे असमर्थ हूँ लेकिन ...(व्यवधान)...

श्री शाहिद सिद्दिकी: तो आप बीस लाख लगवा दीजिए।

شری شاہد صدیقی : تو آپ بیس لاکھ لگوادیجئے-

श्री अर्जुन सिंह:यह सौदेबाज़ी की बात नहीं है सिद्दिकी साहब।मैं आपको ब्लैकेट ऐश्योरेंस दे रहा हूँ कि उर्दू के प्रमोशन के लिए जो कुछ भी आवश्यक होगा, हम उसको करेंगे। यह दो करोड़ और बीस लाख ...(व्यवधान)...

श्री शाहिद सिद्दिकी: यहां कॉन्क्रीट बात कहिए।

شری شاہد صدیقی : یہاں کانکریٹ بات کہئے-

श्री सभापति:बात कॉन्क्रीट ही है, समझने की बात है यह।

प्रो. सैफुद्दीन सोज:शाहिद भाई, मुमकिन है जोशी साहब ने कुछ किया हो लेकिन....

پروفیسر سیف الدین سوز : شاہد بھائی، ممکن ہے جوشی صاحب نے کچھ کیا ہو لیکن ---

† Translitration in Urdu Script.

श्री सभापति:अब आप क्वेश्चन कीजिए।

प्रो.सैफुद्दीन सोज:लेकिन बी.जे.पी. ने उस वक्त एन.सी.पी.यू.एल. के बारे में किताब छापकर बहुत propaganda किया। दो करोड़ जॉब्स कहां से मिलेंगे, दो लाख कहां से मिलेंगे?

پروفیسر سیف الدین سوز : لیکن بی جے پی نے اس وقت این سی پی یو ایل کے بارے میں کتاب چھاپ کر بہت پروپیگنڈہ کیا- دو کروڑ جوبس کہاں سے ملیں گے، دولاکھ کہاں ملیں گے-

श्री सभापति: अच्छा, अब आप सवाल कीजिए , propaganda की बात मत कीजिए।

प्रो. सैफुद्दीन सोज:मान्यवर, मेरा सवाल यह है कि अभी ऑनरेबल मिनिस्टर ने माइनॉरिटीज़ के लिए, उनके बहबूद के लिए, तालीम के लिए, उर्दू के लिए एक बडी शानदार कॉन्फ्रेंस का एहतिमाम किया जिसमें मुल्क के ...(व्यवधान)...

پروفیسر سیف الدین سوز : مانیور، میرا سوال یہ ہے کہ ابھی آنریبل منسٹر نے مائنارٹیز کے لئے، ان کے بہبود کے لئے، تعلیم کے لئے، اردو کے لئے ایک بڑی شاندار کانفرنس کا اہتمام کیا، جس ملک کے **------مداخلت------**

श्री सभापति: आप क्वेश्चन कीजिए।

प्रो. सैफुद्दीन सोज:मेरा इनसे यह सवाल है कि उर्दू बुनियादी तौर पर छः -सात प्रदेशों की ज़बान है जिसमें दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं। ...(व्यवधान)... सुनिए। मै यह पूछना चाहता हूँ कि जिन छः रियासतों की ज़बान बुनियादी तौर पर उर्दू है, उनके लिए ऑनरेबल मिनिस्टर प्वाइंटेड अटेंशन के लिए क्या करेंगे? इसी से जुड़ा हुआ एक और सवाल यह है इन्होंने कॉन्फ्रेंस में आश्वासन दिया था कि वे मिनिस्ट्री के अंदर...

پروفیسر سیف الدین سوز : میرا ان سے یہ سوال ہے کہ اردو بنیادی طور پر چھہ، سات پردیشوں کی زبان ہے جس میں دہلی، بہار، اترپردیش، مہاراشٹر اور کرناٹک آتے ہیں **------مداخلت------** سنئے- میں یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ جن چھہ ریاستوں کی زبان بنیادی طور پر اردو ہے ان کے لئے آنریبل منسٹر پوانٹیڈ اٹینشن کے لئے کیا کریں گے؟ اسی سے جڑا ہوا ایک اور سوال یہ ہے کہ انہوں نے کانفرنس میں آشواسن دیا تھا کہ وہ منسٹری کے اندر---

श्री सभापति: ठीक है। उर्दू जितने राज्यों में प्रचलित है, उनके लिए क्या करेंगे? बस अब आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

† Translitration in Urdu Script.

प्रो. सैफुद्दीन सोज: क्या वे मिनिस्ट्री के अंदर ऐसा मैकेनिज्म तैयार करेंगे जिससे माइनॉरिटीज़ की तरफ तवज्जह होगी और उर्दू की तरफ खास तवज्जह होगी? साथ ही कॉन्फ्रेंस के लिए इनको मुबारकबाद।

پروفیسر سیف الدین سوز : کیا وہ منسٹری کے اندر ایسا میکینزم تیار کریں گے جس سے مائنارٹیز کی طرف توجہ ہوگی اور اردو کی طرف خاص توجہ ہوگی؟ ساتھ ہی کانفرنس کے لئے ان کو مبارکباد-

श्री अर्जुन सिंह:आदरणीय सभापति महोदय, जहां तक माइनारिटीज के लिए एजुकेशन के अंदर स्पेशल अटेंशन देने का सवाल है,मैं सदन को यह सूचित करना चाहूंगा कि इसकी मॉनिटरिंग के लिए जुलाई,1995 में एक कमेटी बनी थी, लेकिन इस कमेटी की केवल दो ही बैठकें हुईं और उसके बाद कोई मीटिंग नहीं हुई। इसकी आखिरी मीटिंग 3 दिसम्बर, 1996 को हुई थी। अब कमेटी को रिवाइव करके जैसा कि माननीय सदस्य कह रहे हैं, मैं उस रुप में सदन के सामने स्टेटमेंट दूंगा। पूरे माइनोरिटीज एजुकेशन के बारे में यह कमेटी एक महत्वपूर्ण योगदान देने की स्थिति में हो और इसमें बाहर के लोग भी स्कॉलर्स एडवाजरी कैपेसिटी में रखे जाएं।

श्री शाहिद सिद्दिकी: सर, यह बात नही है। इस पर ऑब्जेक्शन है। ...(व्यवधान)...

شری شاہد صدیقی : سر یہ بات نہیں ہے اس پر آبجیکشن ہے **------مداخلت-----**

श्री सभापति:कोई ऑब्जेक्शन नहीं है। ...(व्यवधान)... श्री मलयसामी।

श्री शाहिद सिद्दिकी: उर्दू माइनोरिटीन की जुबान नहीं है, उर्दू को छोटा किया जा रहा है। ...(व्यवधान)...

شری شاہد صدیقی : اردو مائنارٹیز کی زبان نہیں ہے- اردو کو چھوٹا کیا جا رہا ہے **------مداخلت-----**

†Translitration in Urdu Script.

डा. अलादी पी.राजकुमार:सर, ...(व्यवधान)...

प्रो. सैफुद्दीन सोज: यह इसके साथ घोर अत्याचार है ...(व्यवधान)...

پروفیسر سیف الدین سوز : یہ اس کے ساتھ گھور اتیاچار ہے **------مداخلت------**

श्री अर्जुन सिंह:सभापति महोदय ...(व्यवधान)... मैंने माइनोरिटीज एजुकेशन की बात कही है ...(व्यवधान)... जुबान की बात मैंने नहीं कही है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: वह ठीक है। इन्होंने इतना बढिया स्टेटमेंट दे दिया ...(व्यवधान)... बोलिए।

DR. K. MALAISAMY: Mr. Chairman, Sir, I am sure that the Government of India is very much concerned not only for the development of the Urdu language, but also other languages. If so, what is the thrust and the priority given for the development of the Tamil language.

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: सभापति महोदय, मुझे लगता है कि उर्दू को धर्म क्षेत्र के दायरे में बांधकर नहीं देखा जा सकता। माननीय मंत्री जी ने अभी जो उत्तर दिया है, वह स्पेसिफिक उत्तर नहीं है, केवल इतना कहा है कि जो भी आवश्यकता होगी, उसको किया जाएगा।

श्री सभापति:क्वेश्चन करिए।

श्री मुख्तार अब्बास नकवी:क्या माननीय मंत्री जी बताना चाहेंगे कि 1999 में जो पिछली अटल बिहारी जी की सरकार थी, उसने उर्दू की तरक्की के लिए ग्यारह करोड़ रुपए का बजट मुकर्रर किया था? क्या इस बार बजट बढाया गया है? उर्दू के संबंध में क्षेत्रीय केन्द्रों के बारे में चार केन्द्र बनाने के बारे में पूछा गया है, इसके बारे में क्या माननीय मंत्री जी बताएंगे?

श्री सभापति:आप लेट आए हैं और मंत्री महोदय इस प्रश्न का जुवाब दे चुके हैं। नेक्स्ट श्रीमती वंगा गीता। ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: सर, उर्दू को ...(व्यवधान)...

श्री सभापति:आप लगातार सवाल करिए, इसमें कोई दिक्कत नहीं है। ...(व्यवधान)...

डा.मुरली मनोहर जोशी:सर, यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल हैं ...(व्यवधान)...

† Transliteration of Urdu script

श्री सभापति:देखिए, आपको जवाब दिया है ...(व्यवधान)... इनकी काफ्रेंस हो रही हैं। उसके बाद आपको डिटेल्ड रिप्लाई मिल जाएगा। आपको क्या चाहिए? ...(व्यवधान)...

डा. मुरली मनोहर जोशी:सभापति जी, यह तो बहुत महत्वपूर्ण सवाल है और यह कहना कि ...(व्यवधान)...

श्री सभापति:महत्वपूर्ण सवाल है तो इसका जवाब दे दिया है। ...(व्यवधान)...

डा.मुरली मनोहर जोशी: उर्दू एक माइनोरिटी की भाषा है, यह तो उर्दू के साथ बहुत ही अन्याय है। ...(व्यवधान)... उर्दू माइनोरिटी की भाषा नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: कुछ भी नहीं कहा है। बोलिए, बोलिए। ...(व्यवधान)...

Villages with middle school

*182. SHRIMATI VANGA GEETHA:f
SHRI S.M. LALJAN BASHA:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the percentage of villages with middle school facility in the country; and

(b) the action proposed to be taken to increase this facility?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

"Villages with Middle School"

(a) As per the Sixth All India Educational Survey (AIES) conducted by the National Council for Educational Research and Training (NCERT) with the reference date of 30th September, 1993, it was found that 23.32% villages had a middle school in the village. For the assessment of availability of educational facilities in rural

† The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Vanga Geetha.